

आइआइएम टेडैक्स. रांची की हर्षिका (आइएएस) ने कहा

छोटे शहर की लड़की भी बड़ा काम कर सकती है, सपना देख सकती है

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

सीएमपीडीआइ (कांके रोड) के मयूरी प्रेक्षागृह में रविवार को आयोजित आइआइएम, रांची के टेडैक्स में देश की जानी-पहचानी शख्सियतों ने अपने अनुभव सुनाये. सफलता के टिप्स दिये और स्टूडेंट्स को मोटिवेट किया. मध्य प्रदेश कैडर की भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी और रांची निवासी हर्षिका सिंह ने भी अपनी सफलता की कहानी सुनायी. विद्यार्थियों को बताया : सपने-सपने होते हैं. रांची जैसे छोटे शहर की एक लड़की (हर्षिका सिंह) ने बचपन में एक मैगजीन में एक आइएएस की तस्वीर देखी थी. फिर उसके मन में भी यह इच्छा हुई कि एक दिन उसे भी आइएएस बनना है. स्कूल की शिक्षिका ने पूछा : क्या बनना है? तो जुबान से निकला : आइएएस. उस समय आइएएस का अर्थ भी नहीं मालूम था. स्कूली पढ़ाई समाप्त करने के बाद यह जुनून लगा रहा. कई मेडिकल कॉलेजों के इंट्रेंस एग्जाम में सफलता मिली, लेकिन एडमिशन लेने से मना कर दिया. फिर लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से इकोनॉमिक्स-हिस्ट्री में एमएससी की डिग्री हासिल की. हर्षिका सिंह ने बताया : रांची से जैसे छोटे शहर की लड़की जब लंदन जैसे विकसित शहर में गयी, तो समझ में नहीं आया कि हॉर्नर्ड और प्रिस्टन जैसे संस्थानों से आये विद्यार्थियों के सामने वह कैसे टिक पायेगी. हालांकि वहां भी टॉपर बनी. इसके बाद कई अच्छी नौकरी के ऑफर मिले, लेकिन मन में अपने देश के लिए कुछ करने की इच्छा थी, इसलिए देश वापस आ गयी. यहां आकर यूपीएससी की परीक्षा दी. पहले प्रयास में 640वीं रैंकिंग. पूरा परिवार खुश, लेकिन वह रो रही थी. कहीं भी योगदान देने से मना कर दिया. कहा : अंतिम बार फिर प्रयास करूंगी. इस बार ऑल इंडिया रैंकिंग आठवीं रही. अब लगा कि देश के लिए कुछ करने का समय आ गया है. छोटे शहर की लड़की भी बड़ा काम कर सकती है. अपना सपना पूरा कर सकती है.



अपना अनुभव सुनाती हर्षिका सिंह. इस दौरान गेस्ट को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया.

खान-पान से 70 फीसदी कम होता है वजन : भदौरिया

मास्टर शेफ पंकज भदौरिया ने कहा : लोगों में यह भ्रांति है कि एक्सरसाइज से वजन कम होता है. वजन करने के लिए संतुलित भोजन जरूरी है. संतुलित भोजन से 70 फीसदी और एक्सरसाइज से 30 फीसदी वजन कम होता है. खाना ज्यादा पकाने से पोष्टिकता खत्म हो जाती है. विदेशों में जागरूक लोग सिर्फ उबला हुआ खाना खाते हैं.



चिड़िया से भी आप बहुत कुछ सीख सकते हैं : सुप्रियो सिन्हा

एबीपी ग्रुप (प्रतिभा) के सीइओ (शिशा) सुप्रियो सिन्हा ने कहा : काम कोई भी हो पूरा तभी होगा, जब उसे पूरी तन्मयता से किया जाये. एक चिड़िया जब किसी एक प्यांठ को बार-बार हिट करती है, तब उसका घर बनता है. इससे उसकी ताकत का अहसास होता है. उन्होंने कहा कि प्रकृति के साथ रहनेवालों को ज्ञान मिलता है. इसे किसी प्रबंधन संस्थान में नहीं पढ़ाये जा सकते हैं. बात यही है कि अगर आप कुछ करने की इच्छा रखते हैं, तो कर सकते हैं.

जाने-माने न्यूरो साइंटिस्ट अभिजीत नास्कर ने कहा, हम स्वतंत्रता चाहते हैं, लेकिन दिमाग नहीं करने देता

अभिजीत नास्कर ने कहा कि सच्चाई है कि हम स्वतंत्रता चाहते हैं, लेकिन दिमाग ऐसा करने से रोकता है. क्योंकि स्वतंत्रता कई तरह के खतरों का संकेत भी होता है. परंपरा हमें प्यार के रास्ते पर ले जाती है. यदि सपना पूरा नहीं कर पाते हैं, तो हम दूसरों से पूरा करने की उम्मीद करते हैं. **कर्नल प्रवीर सेनगुप्ता ने कहा, आर्मी के लिए सुरक्षा, विश्वास और कल्याण पहली प्राथमिकता** 35 साल से अधिक समय का नेतृत्व का अनुभव रखनेवाले कर्नल प्रवीर सेनगुप्ता ने कहा कि जम्मू कश्मीर घटना पर बहुत अधिक चर्चा की जरूरत नहीं है. इसमें सोशल मीडिया की भूमिका पर संतुलित होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि आर्मी के लिए सुरक्षा, विश्वास और कल्याण पहले आता है. निजी व्यक्ति बाद में आता है. अपनी चिंता सबसे अंतिम में करते हैं. आर्मी की इटीग्रेटी ही महत्वपूर्ण होती है. इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत संस्थान के निदेशक डॉ शैलेंद्र सिंह ने किया.

ज्यादा फीडबैक कभी-कभी नुकसान भी करता है : फरहाद

25 साल के उद्यमी फरहाद एसिडवाला ने कहा कि कभी-कभी हमारी भावनाएं हमारे उद्देश्य पर बादल की तरह आ जाती हैं. हमारा अभी का जेनरेशन काफी भाग्यशाली है कि वह तकनीकी की दुनिया में है. तकनीक में कई नये प्रयोग देख रहा है. हमारे पहले के जेनरेशन को यह मौका नहीं मिल पाया. उन्होंने कहा कि अगर कोई भी व्यक्ति डेटा के आधार पर काम का एनालिसिस करता है, तो उसमें आगे बढ़ने की क्षमता अधिक होती है. ज्यादा फीडबैक कभी-कभी नुकसान भी करता है.